नवभारत
इंदौर, बुधवार, 8 अक्टूबर, 2025

एक नजर में

चोरों ने मंदिर में बोला धावा

पेटलावद। नगर के अंबिका चौक में स्थित राठौड़ समाज के लक्ष्मीनारायण मंदिर में दो युवकों ने महज एक मिनिट के अंदर ही भगवान के मुकुट सहित अन्य जेवरात चुरा लिए। घटना रविवार शाम 7- 45 बजे की इस दौरान मंदिर के पुजारीजी ध्यान साधना में लीन थे। उन्हें यह अहसास ही नहीं हुआ कि यहां चोरी हो गई है। वे सुबह जब पूजा करने आए तो भगवान् के जेवरात गायब मिले तो समाजजनों को सूचना दी गई। पूरा घटनाक्रम सीसीटीवी में कैद हो गया है ।पुलिस अब नगर के सीसीटीवी खंगाल कर जांच में लगी है। पेटलावद के अंबिका चौक पर स्थित राठौड़ समाज के श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर में हुई इस घटना ने एक बार फिर चोरों की निडरता दिखाई दी है । पुजारी कृष्णकांत शुक्ला ने बताया कि जब वे साधना में लीन थे, तब यह घटना हुई। चुकी बाहर मंदिर पर आरती हो रही थी इसी के साथ भक्तों का यहां दर्शनार्थ आना जाना लगा रहता है। इसीलिए इस ओर ध्यान नहीं गया और मंदिर के द्वार बंद कर वे घर चले गए। लेकिन सुबह जब मंदिर आए तो घटना के बारे में जानकारी मिली सूचना मिलने पर अध्यक्ष शंकरलाल राठौड़, दीपक राठौड़, शिवा राठौड़ सहित बड़ी संख्या में समाजजन पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। पूरा घटनाक्रम ष्ष्ह्ल1 में कैद हो गया है। पुलिस ने मंदिर पर पहुंचकर आस पास के ष्ष्ह्ल1 कैमरे खंगाल रही है। अध्यक्ष राठौड़ ने बताया कि इस घटना में चांदी का मुकुट एवं अन्य जेवर करीब 500 ग्राम की चोरी हुई है।

गांव में विद्युत व्यवस्था बेहतर करने के लिए मंत्री और सांसद निरंतर कार्यरत

आलीराजपुर। भारतीय जनता पार्टी की सरकार गांव के विकास की ओर लगातार ध्यान दे रही है। गांव समृद्ध होंगे तो आत्मनिर्भर बनेगा। और जब गांव आत्मनिर्भर बनेगा तो ही जिला और प्रदेश भी समृद्ध और आत्मनिर्भर होगा। गांव में बेहतर सड़क शिक्षा चिकित्सा से लेकर विद्युत व्यवस्था बेहतर करने का काम भारतीय जनता पार्टी की सरकार कर रही है। एक समय था जब कांग्रेस के राज में गांव तो ठीक जिला स्तर पर भी बिजली नहीं आती थी, लेकिन प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद हमने युद्ध स्तर पर काम करते हुए गांव गांव तक बिजली पहुंचाने का काम किया। उक्त बात कैबिनेट मंत्री नागर सिंह चौहान ने विद्युत डीपी के उद्घाटन के अवसर पर कही। आज कैबिनेट मंत्री चौहान ने आलीराजपुर विधानसभा के ग्राम खुन्दर के तालाब फलिया में 6 लाख 29 हजार लागत से, ग्राम चाँदरमूली के पुजारा फलिया में 5 लाख 70 हजार लागत से, अकलवा के सुतारी फलिया में 7 लाख 30 हजार लागत से वहीं ग्राम रातड़ के कोटवाली फलिया में 5 लाख 52 हजार लागत से हुए विद्युतीकरण कार्यों के तहत स्थापित विद्युत डीपी का लोकार्पण कर गांव में विद्युत सप्लाई नई डीपी से शुरू करवाई। वही सांसद श्रीमती अनिता चौहान ने जोबट विधानसभा के ग्राम छोटी हीरापुर के पटेल फलिया में 6 लाख 70 हजार लागत से, ग्राम वागदी में माफीदार फलिया में 6 लाख 90 हजार लागत से, ग्राम उमरी के बेहदिया फलिया में 7 लाख 65 हजार लागत से एवं ग्राम बरखेड़ा के वास्कल फलिया में 10 लाख 16 हजार लागत से किए गए विद्युतिकरण कार्यों के तहत स्थापित विद्युत डीपी का लोकार्पण पर ग्राम में नवीन डीपी से विद्युत वितरण शुरू किया। कार्यक्रमों के दौरान अपने उद्बोधन में मंत्री श्री नागरसिंह चौहान ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए वे लगातार योजना बनाकर काम कर रहे हैं और इसी का परिणाम है की आलीराजपुर जिले में क्षेत्रवार विद्युत ग्रिड लगाये जा रहे हैं ताकि विद्युत समस्या का स्थाई हल हो सके और किसानों को खेती किसानी में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। वही सांसद श्रीमती अनिता चौहान ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार एवं प्रदेश की मोहन सरकार हमेशा किसान कल्याण एवं गरीब कल्याण के लक्ष्य को लेकर हमेशा तत्परता से कार्य कर रही है। सांसद चौहान ने ग्राम वासियों से घर घर स्वदेशी अभियान के तहत स्थानीय व्यापारियों को प्रोत्साहित करने वाली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील लोकल फॉर वोकल के बारे मे विस्तार से चर्चा करते हुए स्थानीय उत्पादको से उनके सामान को खरीदने की बात कही। वही केंद्र सरकार के त्नस्ञ्ज दरों में की गई कटौती से ग्रामीणों को होने वाले फायदों पर प्रकाश डालते हुए सरकार के जनहितैषी कार्यों से अवगत करवाया। इस दौरान कैबिनेट मंत्री नागरसिंह चौहान के साथ भदु पचाया, मांगीलाल रावत, रोशन पचाया, पंकज सहित स्थानीय सरपंच पंच एवं कई ग्रामीण मौजूद रहे। वही सांसद श्रीमती अनिता चौहान के साथ भाजपा जिला उपाध्यक्ष हितेंद्र शर्मा, जिला महामंत्री राजू मुवेल, खट्टाली मंडल अध्यक्ष मुकेश बघेल, राजेश डुडवे सहित सरपंच, पंच एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्तागण उपस्थित थे। उक्त जानकारी विधायक प्रतिनिधि गोविंदा गुप्ता ने दी है।

शरद पूर्णिमा पर हुई रास पंचाध्यायी कथा – आत्मा और परमात्मा के मिलन की दिव्य लीला का वर्णन

पेटलावद। शरद पूर्णिमा की पावन रात्रि में नगर के श्री सरस्वती नंदन स्वामी भजनाश्रम पर आयोजित रास पंचाध्यायी कथा में कथा वाचिका सुश्री वैष्णवी भट्ट ने भगवान श्रीकृष्ण के महारास की अद्भुत महिमा का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि 卐महारास कोई साधारण घटना नहीं, यह आत्मा का परमात्मा से मिलन की दिव्य लीला है।卐कथा मध्य रात्रि तक चली, जिसके पश्चात भजनों के साथ महाआरती और महाप्रसादी का लाभ भक्तों ने लिया। कथा का शुभारंभ आरती से हुआ, जिसमें अभिभाषक विनोद पुरोहित एवं उनके परिवार ने पूजा-अर्चना का लाभ लिया। सुश्री भट्ट ने कहा कि 卐भागवत का प्राण रास पंचाध्यायी है और रास पंचाध्यायी का मूल गोपी गीत है। शरद पूर्णिमा की रात भगवान श्रीकृष्ण ने असंख्य रूप धारण कर प्रत्येक गोपी के साथ रास रचाया था।

नव भारत
झाबुआ में अखबार, विज्ञापन व समाचार हेतु संपर्क करें:
बाली न्यूज एजेंसी
(लक्की शर्मा झाबुआ जिला ब्यूरो)
मो. न.- 6260765562, 7470402906
कार्यालय -राजवाडा (झाबुआ)

सीनियर सीटिजन घर, परिवार और समाज की अमूल्य धरोहर होते हैं : संदीप चौधरी

वृद्धजनों के अनुभवों से हमे जीवन जीने का मार्गदर्शन प्राप्त होता है : भाजपा जिलाध्यक्ष भानू भूरिया

- सामाजिक महासंघ जिला इकाई द्वारा 50 से अधिक वृद्धजनों एवं वृद्ध अभिभावकों की सेवा करने वाले परिजनों का किया गया सम्मान

झाबुआ। सामाजिक महासंघ जिला इकाई द्वारा सामाजिक न्याय विभाग झाबुआ के सहयोग से 7 अक्टूबर, मंगलवार को स्थानीय लक्ष्मीनगर स्थित अंबा रिसोर्ट में 6वां जिला स्तरीय गरिमामय वृद्धजन सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें अतिथियों द्वारा 60 से अधिक उम्र के वृद्धजनों को समृद्धजनों का दर्जा देते हुए उन्हें घर, परिवार, समाज की अमूल्य धरोहर बताया गया तथा उनसे अनुभव लेकर जीवन को सार्थक बनाने की बात कहीं। भव्य समारोह में जिले के 50 से अधिक वृद्धजनों एवं वृद्धजनों की सेवा करने परिजनों का सामाजिक महासंघ के स्वदेशी अपनाओ, देश को मजबूत बनाने का दुपट्टा पहनाकर एवं अभिनंदन-पत्र भेंटकर भावभरा सम्मान किया गया। यह समारोह प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन, वरिष्ठ नागरिक पेंशनर्स एसोसिएशन, जिला आजाद साहित्य परिषद् तथा राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं महिला बाल विकास आयोग के विशेष सहयोग से आयोजित हुआ।

आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सेव अर्थ मिशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप चौधरी, भाजपा जिलाध्यक्ष भानू भूरिया, आत्मनिर्भर भारत के राष्ट्रीय संयोजक ओमप्रकाश शर्मा, नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती कविता सिंगार, भारतीय स्त्री शक्ति की राष्ट्रीय महामंत्री किरण शर्मा, प्रोगेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन जिलाध्यक्ष ललित त्रिवेदी, वरिष्ठ इतिहासकार डॉ. केके त्रिवेदी, विशाल पंड्या, राष्ट्रीय मावनाधिकार एवं महिला बाल विकास आयोग के प्रदेश अध्यक्ष्ज्ञ डॉ. अशोक बलसोरा एवं सीनियर सीटिजन प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष डॉ. एमएल फुलपगारे उपस्थित थे। अतिथियों ने दीप प्रज्जलवन कर समारोह का शुभारंभ किया। सरस्वती वंदना विशाखा पंवार ने प्रस्तुत की। स्वागत गीत प्रकाशचन्द्र त्रिवेदी ने गया। स्वागत उद्बोधन सामाजिक महासंघ जिलाध्यक्ष डॉ. नीरजसिंह राठौर ने देते हुए बताया कि महासंघ द्वारा प्रतिवर्ष अंर्तराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के उपलक्ष में जिला स्तरीय वृद्धजन समारोह का आयोजन किया जाता है। इसके अलावा वर्षभर अनेक सामाजिक, रचनात्मक कार्यक्रमों के साथ संस्कार पाठशाला जैसे अनेक आयोजन किए जाते है। सामाजिक महासंघ द्वारा विगत डेढ़ माह से 'स्वदेशी अपनाओं, देश को मजबूत बनाओ' के तहत आत्मनिर्भर भारत की महाभियान पूरे जिले में संचालित किया जा रहा है। जिससे प्रेरित होकर नागरिकों का रूझान अब स्वदेशी वस्तुओं की खरीदी की ओर काफी बढ़ा है। अतिथियो का परिचय सामाजिक महासंघ जिला महासचिव उमंग सक्सेना ने करवाया।

प्रत्येक नागरिक को वृद्धजनों का सम्मान एवं आदर करना चाहिए-समारोह को संबोधित करते हुए आत्मनिर्भर भारत के राष्ट्रीय संयोजक ओम शर्मा ने कहा कि प्रत्येक नागरिक को वृद्धजनों का सम्मान करना चाहिए। परिवार, समाज के साथ हम सभी की जिम्मेदारी बनती है कि हम वृद्धजनों का सम्मान और उनके प्रति आदर भाव रखे। उन्हें आवश्यक सहयोग एवं मद्द करे। भाजपा जिलाध्यक्ष भानू भूरिया ने कहा कि वृद्धजन ज्ञान और गुणों की खान होते है, उनके अनुभव से हमे काफी सीखने को मिलता है एवं सहीं जीवन जीने की राह मिलती है। उनका सम्मान करना ईश्वर को प्रसन्न करने के समान है। सेव अर्थ मिशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप चौधरी ने कहा कि सीनियर सीटीजन घर, परिवार और समाज की अमूल्य धरोहर होते है। इनकी सेवा ईश्वरीय सेवा करने के समान है। इन्हें कभी भी अपमानित नहीं करना चाहिए और हमेशा इनके प्रति सकारात्मक रवैया रखना चाहिए।...

जिलेभर के वृद्धजनों का किया सम्मान

समारोह के मध्य में अतिथियों ने झाबुआ के वरिष्ठ नागरिक डॉ. एमएल फुलगपारे, जयंतीलाल राठौर, एजनलाल भानपुरिया, भंवरसिंह राठौर, शांतिलाल शान, मोहम्मद फरीद, शब्बीरभाई बोहरा, गोवर्धननाथ वर्मा, कन्हैयालाल सोलंकी, मोहम्मद लतीफ खान, नेमीचंद राठौर, बृजबिहारी त्रिवेदी रानापुर के घनश्याम अग्रवाली, गंभीरमल रांठी, नटवरलाल हरसोला, गेंदमल डोशी, डायालाल जोशी, थांदला के जगमोहनसिंह राठौर, रमेशचन्द्र उपाध्याय, छगनलाल चौहान, मूलचंद जैन, वालिया परमार, मेघनगर के मदनमोहन सिंघल, नाथुलाल प्रजापत, लालाभाई हरू, जानकीदास बैरागी, पेटलावद के एमएल रावत, बंशीधर पालीवाल, कन्नूभाई, शिवगंगा के भीमाभाई डामोर, नानूभाई बिलवाल, कानूनजी, खेमचंद आर्य, कैलाश गोस्वामी, अमरदास चंद्रावत, भारतसिंह चौहान, शांतिलाल चौहान, धर्मचन्द मेहता, सुभाषचन्द्र दुबे, भागीरथ सतोगिया, दिलीपकुमार कड़ेल, मोहम्मद शकुर, सुखदेव त्रिवेदी, दौलत खान, डॉ. लोकेन्द्रसिंह राठौर, मातृ शक्तियों में शीला सक्सेना, उमा त्रिवेदी, कलावती बैरागी, कांतादेवी माहेश्वरी, दुर्गा बैरागी, प्रेमलता माहेश्वरी, श्यामा भाट्ट, सुभद्रा भावसार, पार्वतीबाई, शकुंतला व्यास, शेरबानो खान, रामकुंर जोशी, अन्नपूर्णा सोलंकी, शांतादेवी कानूनगो आदि का अतिथियों ने सामाजिक महासंघ के स्वदेशी अपनाओं, देश को मजबूत बनाने का दुपट्टा पहनाकर एवं अभिनंदन-पत्र भेंटकर सम्मान किया। इसके साथ ही वृद्धजनों की सेवा करने वाले परिजनों में अजय सोनी, अखिल त्रिवेदी, अनिल जैन, नरेन्द्र जैन एवं बंटी चौरसिया का शाल-श्रीफल से अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ जयंतीलाल राठौर द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के लिए पैलेस गार्डन पर डे-केयर सेंटर खोले जाने पर उनका अतिथियों एवं सामाजिक महासंघ की ओर से नागरिक अभिनंदन किया गया।

अतिथियों को प्रतीक चिन्ह प्रदान किए

सभी को शिवगंगा एवं गायत्री परिवार बसंत कॉलोनी की ओर से नि:शुल्क कपड़े की थैलियां भी प्रदान की गई। इस दौरान सुंदर वायलिन वादन रमेशचन्द्र पंवार ने किया। समारोह की समापन बेला में अतिथियों को सामाजिक महासंघ के पदाधिकारियों में विनोदकुमार जायसवाल, प्रदीप ओएल जैन, हरिश शाह लालाभाई, मीडिया प्रभारी दौलत गोलानी, पीडी रायपुरिया, पं. गणेशप्रसाद उपाध्याय, पुरूषोत्तम ताम्रकर कुलदीपसिंह पंवार आदि द्वारा प्रतीक चिन्ह भेंट किया। समारोह का सफल संचालन सामाजिक महासंघ के जिला उपाध्यक्ष एवं कार्यक्रम समन्वयक शरतचन्द्र शास्त्री ने किया एवं अंत में सभी के प्रति आभार सामाजिक महासंघ के वरिष्ठ जयेन्द्र बैरागी ने माना। समारोह में झाबुआ जिले के साथ आलीराजपुर, दाहोद (गुजरात), कुशलगढ़, बांसवाड़ा (राजस्थान) से आए वरिष्ठ नागरिक भी उपस्थित रहे।

शरद पूर्णिमा पर मंदिरों में सजी भगवान की सुंदर झांकियां

रात्रि में महाआरती एवं भक्तों को दूध-खीर का प्रसाद वितरित किया

झाबुआ। शहर के हृदय स्थल राजवाड़ा चौक स्थित श्री राधाकृष्ण सरकार पर शरद पूर्णिमा महोत्सव मंहत अजय बैरागी एवं मनीष बैरागी के सानिध्य में मनाया गया।

इस दिन रात में चंद्रमा की किरणों में अमृत (अमरता का अमृत) होता है, जिसे खीर में संग्रहित किया जाता है । अगले दिन इस खीर को प्रसाद के रूप में खाया जाता है। इस रात देवी लक्ष्मी की भी पूजा की जाती है। पूर्णिमा पर कई भक्त रात्रि जागरण करते हैं। यह आध्यात्मिक जागृति के लिए शुभ माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि जो लोग इस दिन रात जागते हैं और धार्मिक गतिविधियों में भाग लेते हैं, उन्हें देवी महालक्ष्मी और भगवान इंद्र समृद्धि और धन का आशीर्वाद देते हैं। मंहत मनीष बैरागी ने बताया कि शरद पूर्णिमा के दिन माता लक्ष्मी की विधिपूर्वक पूजा करे। इस दिन माता को गुलाब के फूल की माला और सफेद मिठाई भोग अर्पित करें। रात में माता के सामने घी का दीपक जलाएं और माता लक्ष्मी के मंत्रों का जाप करे। धार्मिक मान्यता के अनुसार ऐसा करने से घर में सुख-संपन्नता आती है। इस दिन रात के समय चंद्रमा को अर्घ्य देना बेहद शुभ माना जाता है। अर्घ्य देने के लिए लोटे में साफ पानी भरें। इसके बाद उसमें अक्षत और फूल डालकर चंद्रमा को जल अर्पित कर अर्घ्य दे। ऐसा करने से जीवन में शांति और स्थिरता बनी रहती है। अमृत वर्षा पश्चात मंहत मनीष बैरागी ने महारास महोत्सव की भव्य आरती उतारी। पश्चात् अमृत खीर, घेवर, बालम ककड़ी, पंचामृत, पंचमेवा का भोग अर्पित कर शहर की धर्मप्रेमी जनता में वितरित की गई।

श्री सत्यनारायण मंदिर में महिलाओं ने खेले गेम्स और गरबा

राधाकृष्ण मार्ग में श्री मेढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार मंदिर पर शरद पूर्णिमा उत्सव रात्रि में धूमधाम से मनाया गया। स्वर्णकार समाज की महिलाओं ने रात्रि में विभिन्न मनोरंजक गेम्स खेलने के साथ मंदिर परिसर में गरबे खेलने का आनंद लिया। मंदिर में श्री सत्नारायण भगवान एवं लड्डू गोपाल का सुंदर एवं मनमोहक श्रृंगार मंदिर के सेवक पं. प्रदीप भट्ट ने किया। रात 12 बजे महाआरती का आयोजन हुआ। महाआरती में सोनी समाज के साथ भक्तजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। प्रसादी के रूप में खीर का सभी भक्तों को वितरण हुआ।

सुहागिन महिलाएं पति की लंबी उम्र के लिए रखेंगी करवा चौथ का व्रत 10 को

चांद दिखने पर की जाएगी पूजन, बाजार में बिक रहे करवे, छलनी

झाबुआ। करवा चौथ इस वर्ष 10 अक्टूबर, शुक्रवार को है। इस दिन महिलाएं दिनभर निर्जला एवं निराहार रहकर अपने पति की लंबी उम्र के लिए व्रत रखेंगी। रात में चंद्रमा के दर्शन होने पर विधि-विधान से पूजन कर करवा चौथ की कथा पढ़कर व्रत पूरा किया जाएगा। करवा चौथ को लेकर बाजार में करवे, छलनी आदि आवाज लगाकर बिक रहे है। इसके साथ ही धनतेरस, दीपावली पर्व नजदीक आने से बाजार में दीपक, मटकी, घोड़े, आदि की भी बिक्री जमकर हो रहीं है।

करवा चौथ व्रत विवाहित महिलाएं अपने सुहाग की लंबी उम्र की कामना के लिए रखती है और करवा माता की प्रार्थना करती है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इस व्रत के बारे में भगवान श्रीकृष्ण ने द्रोपदी को बताया था। शिवजी ने माता पार्वती को इस व्रत की जानकारी दी थी। बाजार में करवे, छलनी आदि ठेलागाड़ियों पर आवाज लगाकर बिक रहे है। वहीं गली-मौहल्लों में भी इन्हें बेचा जा रहा है। कुम्हार मौहल्ले में दुकान लगाकर करवे बेच रहीं सृष्टि प्रजापत ने बताया कि उनकी दुकान पर करवे सजावट वाले 50 रू. का एक एवं साधारण करवा 30 रू. का एक बिक रहा है। घोड़े 40 रू., गरबा सेट 100 रू., दीपक 20 रू. के 6 एवं छलनी 50 रू. की बेच रहीं है। करवा चौथ, धनतेरस, दीपावली पर्व को लेकर बिक्री अच्छी है। जैसे-जैसे पर्व नजदीक आएगा, बिक्री भी बढ़ेगी।

एक नजर मंडी में सोयाबीन की नीलामी पर रखें निगरानी, किसानों को दिलाएं भावान्तर का लाभ

कलेक्टर्स किसानों को प्राकृतिक एवं जैविक खेती के लिए करें प्रोत्साहित : मुख्यमंत्री

- कलेक्टर्स-कमिश्नर्स कॉन्फ्रेंस-2025
- उपज विक्रय के लिये किसानों को उपलब्ध कराएं मार्केट
- कृषि एवं संबद्ध सेक्टर्स पर हुआ कॉन्फ्रेंस का पहला सत्र

झाबुआ , 7 अक्टूबर 2025। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारा प्रदेश कृषि उपज पर आधारित है। इसलिए सरकार का मूल लक्ष्य प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देना और कृषि फसलों की तुलना में उद्यानिकी फसलों का रकबा बढ़ाना है। हमें इन क्षेत्रों में उद्यमिता के नए अवसर भी बनाने हैं। सभी कलेक्टर्स अपने-अपने? जिलों में 100-100 किसानों को प्राकृतिक और जैविक खेती करने के लिए प्रोत्साहित करें। साथ ही किसानों को उपज विक्रय के लिये मार्केट भी उपलब्ध कराएं। मुख्यमंत्री ने सभी कलेक्टर को कृषि उपज मंडी में सोयाबीन फसल की नीलामी पर सघन निगरानी रखने और भावान्तर योजना से किसानों को लाभान्वित करने के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को कलेक्टर्स-कमिश्नर्स कॉन्फ्रेंस-2025 के पहले सत्र %कृषि एवं संबद्ध सेक्टर्स% को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे ग्रामीण युवा आने वाले समय में कृषि उद्यमी बनें, इसके लिए हमें मिल-जुलकर प्रयास करना है। उन्होंने कहा कि खेती को जैविक खेती की ओर ले जाना एक बड़ी चुनौती है, पर हमें यह चुनौती भी पार करनी ही होगी। मुख्यमंत्री ने कहा? कि श्री अन्न अर्थात मिलेट्स को प्रोत्साहन देकर इनकी उपज को लगातार बढ़ाना भी हमारा लक्ष्य है, हमें इस दिशा में भी ठोस प्रयास करने होंगे। किसानों को परंपरागत खेती से शिफ्ट कर उद्यानिकी, दुग्ध उत्पादन एवं मत्स्य पालन जैसे आमदनी बढ़ाने वाले कार्यों की ओर लेकर जाना है। प्रदेश में केला, संतरा, टमाटर एवं अन्य उद्यानिकी की फसलें बड़ी मात्रा में होती हैं। हमें इनके स्थानीय स्तर पर प्रसंस्करण एवं बड़े बाजारों तक मार्केटिंग की व्यवस्था भी करनी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि फसलों में उर्वरक की खपत सिर्फ वैज्ञानिक आधार पर ही होनी चाहिए। यदि नहीं हो रही है तो इस पर नियंत्रण जरूरी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सभी कलेक्टर्स अपने-अपने जिलों में साप्ताहिक मार्केट, हाट बाज़ारों में प्राकृतिक एवं जैविक खेती की उपज का विक्रय सुनिश्चित करें। साथ ही किसानों को नकद फसलों की खेती के लिए समझाइश देकर प्रोत्साहित करें। इसके लिए अभियान चलाएं। उन्होंने कहा? कि सभी कलेक्टर जिलों में किसानों को प्राकृतिक खेती के लिए प्रेरित कर उसका रिकार्ड रखें और उनकी प्राकृतिक खेती के लाभों का अध्ययन भी करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में उद्यानिकी फसलों अर्थात् बागवानी को बढ़ावा दिया जाए। उन्होंने गुना जिले में गुलाब की खेती किए जाने की प्रशंसा करते हुए कहा कि वहां के किसानों ने बड़ा ही प्रगतिशील कदम उठाया है। प्रदेश के सभी धार्मिक शहरों में भी गुलाब की खेती को बढ़ावा दिया जाये, जिससे गुलाब उत्पादन की खपत स्थानीय स्तर पर किया जा सके। कृषि उत्पादन आयुक्त ने दिया प्रेजेंटेशन-कृषि एवं संबद्ध सेक्टर्स सत्र का संचालन कृषि उत्पादन आयुक्त श्री अशोक वर्णवाल ने किया और प्रेजेंटेशन दिया। इस सत्र में प्राकृतिक खेती के प्रचार, जलवायु अनुकूल फसलों, उद्यानिकी फसलों के उत्पादन, उत्पादकता केंद्रित क्लस्टर, सूक्ष्म सिंचाई, मत्स्य पालन के लिए केज कल्चर और सेलेक्टिव ब्रीडिंग, फसल अवशेष प्रबंधन, खाद एवं बीज व्यवस्था, सोयाबीन के लिए भावांतर भुगतान योजना, दुग्ध उत्पादन और गौशाला प्रबंधन जैसे विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।

पराली/नरवाई जलाने की घटनाओं पर लगाएं सख्त अंकुश

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पराली पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा ?कि प्रदेश में पराली/नरवाई जलाने की घटनाओं पर सख्ती से अंकुश लगाएं। इसके लिए सक्रिय नियंत्रण तंत्र विकसित करें और ऐसी घटनाओं पर विशेष फोकस कर निगरानी भी बढ़ाएं। कलेक्टर्स कृषि विभाग का सहयोग लेकर किसानों को पराली/नरवाई न जलाने की समझाइश दें। किसानों को पराली निष्पादन के दूसरे विकल्पों के बारे में बताया जाए, जिससे वे पराली जलाने की ओर प्रवृत्त ही न हों।

भावान्तर योजना का करें प्रचार-प्रसार- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भावान्तर योजना का भी व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार करें। इस योजना का सर्वाधिक लाभ किसानों को मिलना है और यह बात उन तक पहुंचनी भी चाहिए। भावान्तर योजना के समुचित क्रियान्वयन के लिये सभी कलेक्टर पूरी मेहनत और समर्पण से किसानों को इसका अधिकतम लाभ दिलाएं।